

बच्चों, कल से शुरू हुए इस नए साल में एजुकेशन, टेक्नोलॉजी और गेमिंग में बहुत से बदलाव होने वाले हैं, जो तुम्हें बहुत पसंद आएंगे। इसमें तुम्हें ऐसे अनुभव मिलेंगे, जिसके बारे में तुमने सोचा भी नहीं होगा। कैसे होंगे ये एक्सपीरियंस और कैसे बदलेंगी तुम्हारी लर्निंग-एंटरटेनमेंट और गेमिंग की दुनिया, तुमको यहां डिटेल में बता रहे हैं।



इस साल लर्निंग-गेमिंग में मिलेंगे नए-नए एक्सपीरियंस

अपकमिंग टेक्नोलॉजी

शिखर चंद जैन

बच्चों, नए साल की शुरुआत हो चुकी है। कल तुमने धूमधाम से न्यू ईयर सेलिब्रेट किया होगा। साल 2026 में तुम्हारे लिए बहुत कुछ नया होने वाला है। इस बारे में तुमको यहां डिटेल में बता रहे हैं।

एजुकेशन होगी टेक्नोफ्रेंडली

इस साल से तुम्हें स्कूल में पढ़ाई-लिखाई का एकदम नया और फ्रेश अनुभव मिलने वाला है। भारत सरकार ने घोषणा की है कि 2026-27 के शैक्षणिक सत्र से कक्षा 3 से ही सभी स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। एआई आधारित ऐसे प्लेटफॉर्म का विस्तार होगा, जो स्टूडेंट्स की सीखने की गति और शैली के अनुसार पाठ तैयार करेंगे। एआई और सीटी पाठ्यक्रम विकसित करने के लिए सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (सीबीएसई), आईआईटी मद्रास के एक्सपर्ट प्रोफेसरों के साथ मिलकर इस दिशा में काम कर रहा है। नई नीति के तहत लंबे पाठों के बजाय छोटे, 5-10 मिनट के 'बाइट-साइज्ड' वीडियो और क्विज के माध्यम से पढ़ाई पर जोर दिया जाएगा।

अमेजिंग होगा लर्निंग एक्सपीरियंस

जिस तरह से और जिस गति से एआई, साइंस एंड टेक्नोलॉजी का विकास हो रहा है, आने वाले समय में तुम्हारा लर्निंग एक्सपीरियंस बहुत ही अमेजिंग होने वाला है। तुम्हारे स्कूल बैग में किताबों का बोझ कम होगा, क्योंकि अलग-अलग किताबों में मौजूद सारी जानकारी तुम्हें एक ही टैबलेट (टैब) में मिल जाएगी। होलोग्राम 3-डी तकनीक तुम्हें अनेखा लर्निंग एक्सपीरियंस देंगे। सोचो, इतिहास पढ़ते समय साक्षात 'महाराणा प्रताप' या 'महात्मा गांधी' का होलोग्राम (3-डी डिजिटल रूप) क्लास



में आ जाए, तो कैसा लगेगा? विज्ञान के प्रयोगों के लिए तुम वचुअल रियलिटी हैंडसेट का उपयोग करके आभासी लैब्स में केमिस्ट्री और फिजिक्स के एक्सपेरिमेंट्स कर सकोगे। पढ़ाई से जुड़ी तुम्हारी हर प्रॉब्लम, एआई ट्यूटर सॉल्व करेंगे। यह सब जानकर एक्साइटमेंट बढ़ रही है न! आने वाले समय में तुम्हारी स्मार्ट क्लासेज कुछ ऐसी ही होने वाली हैं।

कर सकोगे साइंस-टेक्नोलॉजी के नए-नए एक्सपेरिमेंट्स

अब तुम्हारे लिए विशेष 'एसटीईएम' यानी साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग, मैथ्स के किट्स बनेंगे। ये

एंटरटेनमेंट का अमेजिंग एक्सपीरियंस

सोचो जरा, अगर तुम्हें अपने फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के पास जाकर उससे अपने हिसाब से एक्ट करवाने का मौका मिल जाए, तो कितना मजा आएगा! आने वाले समय में ऐसा हो सकता है। यानी कार्टून फिल्म देखने का तुम्हारा एक्सपीरियंस पूरी तरह बदलने वाला है। तुम वचुअली कहानी में तय कर सकोगे कि तुम्हारा फेवरेट सुपर हीरो या कार्टून कैरेक्टर आगे क्या करेगा? जैसे तुम्हारे कमांड देते ही वह शेर से लड़ेंगे, दुश्मनों से फाइट करेंगे और तुम चाहोगे तो वह फ्रेंडशिप कर लेगा। ऐसे मेंगे।

मेटावर्स थीम पार्क आएंगे, जिससे तुम 'वीआर चक्का' लगाओगे और घर बैठे सीधे डिज्नीलैंड पहुंच जाओगे। मिर्की माऊस से हाथ मिला सकोगे या उसके साथ झूल झूलने का आनंद ले सकोगे।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

शिक्षाप्रद-रोचक कहानियां

बच्चों, तुम सब स्कूल तो जरूर जाते होगे। वहां तुमको अलग-अलग विषयों की जानकारी मिलती होगी। अपने दोस्तों के साथ खेलते भी होगे। हाल में ही तुम्हारे लिए अच्छी-अच्छी 68 कहानियों का एक संग्रह 'बचपन और स्कूल की मीठी-मीठी कहानियां' छपकर आया है। इसमें लगभग हर कहानी का बैकग्राउंड स्कूल से ही रिलेटेड है। इसमें तुमको कहीं अपने जैसे समझदार, पढ़ने में होशियार और दूसरों की मदद के लिए तैयार बच्चे मिलेंगे, तो कुछ में नटखट जंगली जानवरों पर रोचक

कहानियां पढ़ने को मिलेंगी। संग्रह की पहली कहानी 'मिनी की दोस्त चींटियां' में तुम पढ़ोगे कि खेती के लिए नन्ही चींटियां भी कितनी महत्वपूर्ण होती हैं। इयरफोन लगाने की हैबिट कितनी नुकसानदेह होती है, इसे तुम 'इयरफोन की आदत' कहानी में जान सकते हो। समझदारी से छपकर आया है। इसमें लगभग हर कहानी का बैकग्राउंड स्कूल से ही रिलेटेड है। इसमें तुमको कहीं अपने जैसे समझदार, पढ़ने में होशियार और दूसरों की मदद के लिए तैयार बच्चे मिलेंगे, तो कुछ में नटखट जंगली जानवरों पर रोचक



किताब: बचपन और स्कूल की मीठी-मीठी कहानियां (बाल कहानी संग्रह), लेखिका: रेनु सैनी, मूल्य: 450 रुपये, प्रकाशक: राय अकादमी, नई दिल्ली

हंसगुल्ले

हिफू (हिफू से) : तुम्हारी बेतुकी बातों से मेरा दिमाग खराब हो गया है। मैं तुम्हारे घर आ रहा हूँ। हिफू : अरे! तब तुम मेरे घर नहीं, मेरे मामा जी के घर जाओ। हिफू : क्यों? हिफू : क्योंकि वो दिमाग के डॉक्टर है।

खुशी, बिलासपुर

टीयर : लड़के को अंग्रेजी में 'ही' और लड़की को 'शी' कहते हैं। अरुण बताओ, कई लड़कों को अंग्रेजी में क्या कहेंगे? गोल्डू (कुछ देर सोचने के बाद) : सर, जितने लड़के होंगे, उतने 'ही' ही 'कहेगे।

स्वर्जित, रायपुर

जीके क्विज-186

1. टी-20 क्रिकेट में चार हजार से अधिक रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर कौन बनीं हैं?
2. लीप-ईयर में कुल कितने दिन होते हैं?
3. विश्व हिंदी दिवस कब मनाया जाता है?
4. आइजोल भारत के किस राज्य की राजधानी है?
5. किस देश को 'नीले आकाश की गुंथि' के रूप में जाना जाता है?
6. सबसे हल्की गैस कौन-सी होती है?
7. कोशिका का पावर हाउस (पावर हाउस ऑफ सेल) किसे कहा जाता है?
8. शिवको का अध्ययन क्या कहलाता है?
9. किस जंतु को भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है?
10. दिल्ली के वर्तमान उप राज्यपाल कौन हैं?

बच्चों, जीके क्विज-186 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें balbhoomibb@gmail.com पर भेज कर सकते हो।

जीके क्विज-185 का उत्तर

1. बंकिम चंद्र चटर्जी, 2. 1 जनवरी, 3. कोलकाता, 4. जर्मनी, 5. लियोनार्डो डिकेप्रियो, 6. मूसी नदी, 7. शैफाली वर्मा, 8. नंगालैंड, 9. उत्तर प्रदेश, 10. मैथिली शरण गुप्त

जीके क्विज-185 का सही उत्तर देने वाले

मन्तव-कैथल, उर्जस्वी-सारांगढ़ बिलासगढ़, लालिमा-गौराबाद, आयुष-कैथल, ओमदेव-मुंगेली, अनूप-रायगढ़, कबीर-हिसार, चीनू-रायगढ़, ज्योति-बैकुंठपुर, नीटू-सीतापुर, अंशुमन-दिल्ली

कहानी

डॉ. नागेश पांडेय 'संजय'

नए साल का आज दूसरा दिन था। वैभव ट्रेन से उतरा तो ठंडी हवा से वह थर-थर कांपने लगा। दांतों ने किटकिटाना शुरू कर दिया। वैभव अपने पापा-मम्मी के साथ गुजरात से लौटा था। वहां तो सर्दी नहीं थी। मौसम बढ़िया था। समुद्र के किनारे हाफ बनियान और नेकर में उसने खूब धमा-चोकड़ी की थी। समुद्र की लहरों से खूब बातें की थीं। आती हुई लहरों को देखकर वह जोर से चिल्लाता, 'आओ, आ जाओ!' फिर लहरें वापस जाने को होतीं तो ताली पीट-पीट कहता, 'गो बैक... गो बैक...।' समुद्र के तट पर ऐसा आनंद उसके लिए एकदम नया था। अभूतपूर्व शब्द का सही अर्थ वह यहीं समझा था। वैभव ने पहली बार समुद्र देखा था। पापा-मम्मी की ओर से उसके लिए यह नए साल का एक अद्भुत उपहार था।

समुद्र के किनारे खड़े वैभव ने आने वाले हर नए साल में कुछ नया देखने की फरमाइश भी पापा से कर दी थी। मम्मी ने हंसते हुए कहा था, 'हां.. हां.. बिल्कुल! ... लेकिन तुम्हें भी हर साल कुछ न कुछ नया कर दिखाना होगा, दिखाओगे न..?' 'बिल्कुल मम्मी.. प्रॉमिस।' वैभव यह कहते हुए चहक उठा था। उसने बड़ा ही प्यार जताते हुए मम्मी-पापा दोनों का हाथ पकड़कर कहा था, 'मैं जब बड़ा हो जाऊंगा तो ऐसे ही आप दोनों को घुमाने ले जाया करूंगा।' बहरहाल, अब जब वैभव मम्मी-पापा के साथ अपने शहर में वापस आया तो यहां ठंड कुछ ज्यादा ही बढ़ गई थी। एक तो जबरदस्त कोहरा, उस पर हड़ियां कंपाने वाली सर्द हवाएं। उसकी तो विंटर वेकेशन चल रही थी। इसीलिए गुप्त ने गुजरात घूमने का प्रोग्राम बना लिया था। वैभव को अब इस बात की जल्दी थी कि अपने सारे दोस्तों से मिलकर उन्हें अपनी यात्रा के किस्से सुनाए। 'चाय पीनी है

टिटुरती सर्दी में उस गरीब लड़के के पास पहनने के लिए स्कूल ड्रेस का स्वेटर नहीं था। इसके लिए उसे रोज स्कूल में डांट पड़ती थी। वैभव को जब यह बात पता चली तो उसने अपने पापा से कहकर उस लड़के की मदद करनी चाही। क्या नए साल में वैभव यह नेक काम कर पाया? एक प्यारी सी कहानी।

हैप्पी न्यू ईयर

क्या?' पापा ने वैभव को कांपते देख पूछा। वह सर्दी में अपने दोनों हाथ रगड़ते हुए बोला, 'नहीं, पापा। जल्दी से घर चलिए। मुझे रजाई में कछुआ बनना है।' सभी स्टेशन से बाहर आए। उनको बाहर आता देखते ही कई आँटो वाले सामने आ गए। सहसा वैभव की निगाहें स्टेशन के बाहर बनी नेकी की दीवार पर पड़ी। वहां हैप्पी न्यू ईयर का बड़ा-सा बोर्ड भी लगा था। बहुत सारे पुराने कपड़े भी टंगे हुए थे। उसकी ही उम्र का एक बच्चा उन कपड़ों में पता नहीं क्या खोज रहा था? इस बीच पापा ने एक आँटो वाले को तय कर लिया था। वह वैभव से बोले, 'चलो बेटा।' पापा ने कहा तो वैभव के कदम जैसे वहीं

ठिठक गए। 'क्या हुआ बेटे?' मम्मी ने उसे हिलाया, 'चलो न।' 'उस लड़के को देखो न पापा।' वैभव सामने की ओर देखते हुए बोला।

'हां, वह अपने साइज के कपड़े खोज रहा होगा।' पापा बोले।

'लेकिन... पापा वहां तो उसके साइज के कितने सारे कपड़े टंगे हैं। वह उन्हें कहां ले रहा है?' वैभव कुछ अचरज से बोला। 'चलो, उसी से पूछ लेते हैं, उसे क्या चाहिए?' पापा वैभव का मन भांपते हुए बोले। पापा उसे लेकर उस लड़के पास पहुंचे। वह लड़का पहले तो हिचका, लेकिन फिर उसने बताया कि वह नीले रंग का स्वेटर खोज रहा है। स्कूल में ड्रेस से मैचिंग स्वेटर न पहनने की वजह से उसे रोज डांट पड़ती है। कई बार वापस लौटने की सजा भी मिलती है। बातचीत में उसने अपने स्कूल और घर का पता भी बताया कि स्टेशन के पास ही बनी झुगियां में वह रहता है। उस लड़के ने यह भी बताया कि उसके पिता नहीं हैं। मां घरों में काम करती हैं। वैभव मचलते हुए बोला, 'पापा आप इसे नया स्वेटर दिला दीजिए न।' 'जरूर दिलाएंगे, केवल इसे ही नहीं, इसके जैसे अन्य बच्चों को भी हम लोग झुगियों में जाकर स्कूल ड्रेस के स्वेटर बाँटेंगे, प्रॉमिस।' हमने समझ लिया है, वह कहां रहता है?' पापा जब ऐसा बोले तो वैभव बहुत खुश हो गया। पापा उस बच्चे से बोले, 'अब आप अपने घर जाओ। हम लोग आज ही आपके घर पर आएंगे।' उस लड़के की आँखों में आंसू आ गए। वैभव ने उसे गले से लगा लिया और धीरे से कहा, 'माई डियर, हैप्पी न्यू ईयर।' उस बच्चे के मुख से कोई आवाज तो नहीं आई, लेकिन होंठ जरूर बुदबुदाए। वैभव बहुत खुश था। नए साल में वह कितना अच्छा और नया काम हो जाएगा। ठंड अब उसे बेअसर सी लग रही थी, क्योंकि उसके भीतर एक नेक काम की गर्माहट थी। *

नया साल शुरू हो चुका है। इस साल अपनी खुशी बढ़ाने और आकर्षक व्यक्तित्व के लिए कुछ बातें जरूर अमल में लाओ। ये बातें तुम्हारी जिंदगी को आसान भी बनाएंगी। ये बातें कौन-सी हैं, जानो।

नए साल में अपनाओ ये बातें मिलेंगी एक अलग खुशी

सलाह

विमला नागला

मेरे प्यारे नन्हे दोस्तो, नया साल शुरू हो चुका है। तुम नए साल में जरूर नए उत्साह-उमंग से सराबोर होगे। कल तुमने नया साल, अपने दोस्तों के साथ जरूर सलिब्रेट भी किया होगा। बच्चों, नए साल के मौके पर मेरे मन में कुछ बातें हैं, तुमसे जरूर कहना चाहूंगी। वैसे तुम हर साल न्यू ईयर अपनी-अपनी प्लानिंग के अनुसार मनाते हो हो, इस बार अपनी प्लानिंग में हमारी बातें या कहो, रेजॉल्यूशंस भी जोड़ो। मेरी बातें बहुत सरल सी हैं, इन्हें मानना बिल्कुल भी कठिन नहीं है। यकीन मानो, इसके परिणाम तुम्हें एक अलग तरह की खुशी देंगे, तुम्हारे व्यक्तित्व को एक नया और आकर्षक रूप देंगे। मेरी कौन सी बातें तुम अपने रेजॉल्यूशन में शामिल करो, जानो-

► रोज उगते हुए सूरज की खूबसूरती को कुछ देर जरूर निहारो, इससे ताजगी का अहसास होगा, शरीर में स्फूर्ति आएगी।

► प्रतिदिन कुछ समय पेड़-पौधों, फूलों,

पक्षियों संग बिताओ। यह संकल्प लो कि इस वर्ष पांच पौधे लगाकर उनकी पूरी देखभाल करेंगे। ऐसा करने से तुम प्रकृति से जुड़ोगे, पर्यावरण को संरक्षित करोगे, इसके प्रति जागरूक होगे।

► नियमित योग-कसरत करोगे। यह बेहतर

स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ और तेज मस्तिष्क का वास होता है।

► खास अवसरों पर अपने मित्रों-परिजनों को पत्र लिखोगे। ऐसा करने से लोगों से तुम्हारे रिश्ते मीठे और मजबूत बने रहेंगे।

► कुछ समय अपने बुजुर्गों के साथ बिताओगे। इससे बुजुर्गों का अकेलापन दूर होगा, उन्हें एक खुशी मिलेगी, तुम्हें भी उनका साथ भाएगा।

► सप्ताह में एक कहानी की पुस्तक पढ़ोगे। ऐसा करने से तुम्हें अच्छी शिक्षा मिलेगी, तुम्हारा भाषा ज्ञान बढ़ेगा।

► प्रतिदिन किसी एक की मदद या कोई एक भलाई का काम करोगे। यह आदत तुम्हें नेक इंसान बनाएगी।

► वर्ष भर अपनी पाठ्य-पुस्तकें, बस्ते, पढ़ाई की मेज को एकदम व्यवस्थित और साफ रखोगे। व्यवस्थित होकर रहने से हमारी जिंदगी आसान होती है।

► बेवजह किसी से भी नाराज नहीं होगे और न ही किसी से अनावश्यक बहस में पड़ोगे। तो बच्चों, तुम इन सभी बातों को एक संकल्प के रूप में अपनी डायरी में लिख लो और इनका ईमानदारी से पालन करो। शुरू में किसी नियम के निर्वहन में थोड़ी मुश्किल जरूर महसूस होती है, लेकिन बाद में कोई मुश्किल नहीं होती। बच्चों, 'जहां चाह वहां राह' निकल ही आती है। नए साल की तुम सभी को शुभकामनाएं ... *

कविता

राजेंद्र श्रीवास्तव

नया वर्ष यह आया

दो हजार पचीस गया अब,

नया वर्ष यह आया।

नव उत्साह-नई आशाएं

नई उमंगें लाया।

नए वर्ष में नया सीखकर

अपना ज्ञान बढ़ाएं।

नई-नई तकनीकों से हम,

परिचित होते जाएं।

अपने आस-पास का मनहर,

वातावरण बनाएं।

पाणी की कीमत पर्याप्त,

पर्यावरण बचाएं।

घर, बाजार, शहर, विद्यालय

जहां कहीं भी जाएं।

मिलने वाले हर अवसर का,

मित्रो लाभ उठाएं।

चित्र पूरा करो

नया साल शुरू हुआ तो बच्चों ने कॉलोनी के पार्क में न्यू ईयर सेलिब्रेशन किया। यहां इस सेलिब्रेशन का आभ-अभूत चित्र दिया गया है। दाहिनी तरफ इस चित्र के कुछ कट-आउट्स दिए गए हैं। तुम चित्र और कट-आउट्स को ध्यान से देखो और सभी कट-आउट्स को सही जगह लगाकर चित्र पूरा करो।

नववर्ष के उपलक्ष्य में जिलेभर में कार्यक्रम आयोजित, आमजन में दिखा उत्साह

मंदिरों में उमड़ी लोगों की भीड़, वृद्धों का आशीर्वाद लिया और हवन कर नववर्ष का प्रथम दिवस मनाया



हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

नववर्ष के उपलक्ष्य में जिले भर में जगह जगह कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुबह से ही लोगों में खासा उत्साह दिखाई दिया। फूलों, गिप्ट की दुकानों और खासकर मिठाई की दुकानों में खासी भीड़ दिखाई दी। लोगों ने मंदिरों में पूजा अर्चना की और वृद्धजनों का आशीर्वाद लिया। साथ ही एक दूसरों को नववर्ष की शुभकामनाएं देते दिखाई दिए।

उधर नववर्ष के उपलक्ष्य में गुरुवार सुबह श्रीरामभक्त हनुमान मंदिर, गली नम्बर-2 जवाहर नगर में 24 घंटे के सामूहिक अखण्ड राममय हनुमान चालीसा पाठ का समापन किया गया। मंदिर समिति के प्रधान इन्द्रचंद्र राठी ने बताया कि 31 दिसम्बर को प्रातः 8 बजे पाठ शुरू किया गया था जो निरंतर चलते हुए प्रातः सम्पन्न हुआ। भजन-कीर्तन किया गया। पाठ की समाप्ति पर चहुं ओर सुख शांति बनी रहे, के संकल्प को लेकर हवन-यज्ञ किया गया। हवन में समाजसेवी सुरेश शर्मा ने सपत्नीक मुख्य यजमान व प्रवीण सिंधवानी ने सपत्नीक यजमान के रूप में भाग लिया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने हवन में आहुति डाली। इस अवसर पर मंदिर समिति से जुड़े नथुराम सैनी, महेश राठी, वेद पदवाल, सुरेंद्र सिंधवानी, ललित राठी, हरबंस श्रॉवर, अरविंद झांव, रोहित राठी, आदि उपस्थित रहे।



हिसार। हनुमान मंदिर, जवाहर नगर में आयोजित हवन में आहुति डालते यजमान व श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

स्वेच्छा से काम करने वाले बच्चों पर

उकलाना। राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, उकलाना में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर का शुभारंभ हुआ। इसका उद्घाटन मौलिक जिला शिक्षा अधिकारी रामरत्न द्वारा किया गया। उद्घाटन समारोह में खंड शिक्षा अधिकारी दलबीर सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। डीसीएम स्कूल बिठमरा, उकलाना मंडी के डायरेक्टर संजय धतरवाल ने भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य डॉ. अर्जुन देव ने की। मौलिक जिला शिक्षा अधिकारी रामरत्न ने विद्यार्थियों को कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण को एक सशक्त प्रयोगशाला है।



साधकों ने नाच-गाकर मनाया नववर्ष उत्सव

हिसार। साधकों के मार्गदर्शन के केंद्र ओशो ध्यान उपवन में नव वर्ष का उत्सव नाचते-गाते हुए मनाया गया। नव वर्ष की पूर्व संध्या पर सिरसा रोड स्थित ओशो ध्यान उपवन में बोन फायर की व्यवस्था रही। साधकों ने अलाव जलाकर और गीत-संगीत के साथ एक-दूसरे को नव वर्ष की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर स्वामी संजय व मां सांची ने जीवन के असली उत्सव व सच्ची खुशी से अवगत करवाया। इस दौरान स्वामी संजय ने साधकों को 4 जनवरी के ध्यान सत्र की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की।

श्याम बाबा का आशीर्वाद लिया

हिसार। नववर्ष के प्रथम क्षणों में श्री श्याम बाबा का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सेक्टर 16-17 के श्री श्याम मंदिर में श्रद्धालुओं की अलखुबह से ही भारी भीड़ उमड़ पड़ी। श्याम प्रभु की एक झलक पाने के लिए भक्त लंबी कतारों में लगे रहे। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु का विशेष फूलों से अलंकृत श्रृंगार किया गया। वहीं नववर्ष की पूर्व संध्या पर एक भक्त द्वारा हनुमान जी के दरबार को नोटों की मालाओं एवं चक्रों से भव्य रूप में सजाया गया। सायं 9 बजे से 12 बजे तक ताली कीर्तन संध्या का आयोजन किया गया, जिससे देर रात तक भक्तों ने भक्ति भाव से भाग लिया। मंदिर कमेटी के उपप्रधान निलोक बंसल ने बताया कि आरती के पश्चात भक्तों को खीर-दूध, मेवा एवं फलों का प्रसाद वितरित किया गया।

दुकानदारों ने वितरित की खीर

हिसार। नव वर्ष के उपलक्ष्य में श्याम बाबा की कृपा से पीजीएसडी स्कूल दुकानदार एसोसिएशन ने गुरुवार दोपहर पूर्व पड़ाव चौक पर 100 लिटर दूध की खीर का प्रसाद वितरण किया। दुकानदारों ने आने-जाने वाले राहगीरों को नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए खीर का वितरण किया। इस अवसर पर संजीव गोयल, पवन गोयल, हन्नी भाटिया, दलबीर यादव, हरि, गौरीशंकर, नवीन, मोहन आदि उपस्थित रहे।



नववर्ष पर लगाया भंडारा

हिसार। श्रीश्याम बालाजी सेवादार मंडल की टीम ने आज बारस पर नई सब्जी मंडी में 38वां मासिक भंडारा लगाया। भंडारे की शुरुआत वरिष्ठ सदस्य प्रवीण सहारण और डॉक्टर संजय सैनी द्वारा भोग लगावकर की गई। इस अवसर पर मंडल के प्रधान सुरेन्द्र बालान, कोषाध्यक्ष अरुण सेठी, सुभाष सैनी, राजू, हैप्पी सैनी, डॉक्टर मोहित, अशोक वर्मा, राजेंद्र सैनी, राकेश, हैप्पी बालान, बिट्टू तनोजा, संजय शर्मा, राकेश, बंसी, अमनदीप, सौरभ, ललित सैनी, गुलशन गाबा, संजय मिथुन, संदीप जांगड़ा, यश सैनी, कुश कुकडेजा, रोबिन, विजय बालान, शमी बालान, तनु सैनी, अनिल बालान, लोकेश आदि उपस्थित रहे।



हिसार। बीड़ बबरान धाम में आयोजित नव वर्ष स्वागत समारोह में उपस्थित श्रद्धालुगण।

कढ़ी कचोरी प्रसाद का वितरण

हिसार। बीड़ बबरान धाम में नव वर्ष के स्वागत के लिए आयोजित सांवरे की महफिल में श्रद्धालुओं ने बड़े-चूढकर हिरसा लिया। इसके साथ ही कढ़ी कचोरी प्रसाद ग्रहण करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से सैकड़ों श्रद्धालु बीड़ बबरान में उमड़ पड़े। नए साल की शुरूआत बबरान नरेश के साथ और सांवरे की महफिल के लिए श्याम बाबा के दरबार को सजाकर भव्य स्वरूप दिया गया। इतना ही नहीं पूरे धाम की रंगीन लड़कियों से सजाया गया। सांवरे की महफिल में निज पुजारी विनय शर्मा व अन्य गायकों ने भजनों के माध्यम से श्याम बाबा की महिमा का गुणगान किया। इस दौरान अखंड ज्योति के दर्शन करके भक्तगण अभिभूत हो गए।

खबर संक्षेप

चिकित्सा परिषद सदस्य के लिए कुलदीप ने भरा पर्चा

हिसार।भारतीय चिकित्सा परिषद हरियाणा के सदस्य के चुनाव के लिए चिकित्सक वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कुलदीप कुमार ने पंचकुला में सेक्टर 3 स्थित भारतीय चिकित्सा परिषद हरियाणा के रजिस्ट्रार कार्यालय में पहुंचकर नाम भरने के अंतिम दिन अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। चुनाव के लिए आयुर्वेदिक चिकित्सक 21 फरवरी से 20 मार्च तक मतदान कर सकेंगे। इसमें हरियाणा के लगभग 12 हजार आयुर्वेदिक चिकित्सक मतदान करेंगे। हर चिकित्सक को एक माह के दौरान डाक द्वारा रजिस्ट्रार कार्यालय में लिखित में अपना मत भेजना होता है।

प्रारंभिक शिक्षा स्तर को बेहतर बनाएगा एसबीआई

हिसार। थुराना क्षेत्र में ग्रामीण बच्चों के प्रारंभिक शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने और आंगनवाड़ी अपग्रेड के लिए भारतीय स्टेट बैंक के तत्वावधान में समारोह का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आंगनवाड़ी सुविधाओं को उत्कृष्ट करना है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में एसबीआई चीफ मैनेजर सुनील कुमार और थुराणा शाखा से गुलाब सिंह ने शिरकत की। सरपंच रामदिया पानू विशिष्ट अतिथि रहे। इस दौरान आंगनवाड़ी के नन्हें-मुन्ने बच्चों को खिलौने और लड्डू वितरित किए गए।

सतीश ब्रांच प्रधान और सलीम बने सचिव

हिसार। हरियाणा संयुक्त कर्मचारी मंच से संबंधित हरियाणा सर्वनर्मेट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्करज यूनियन की जनस्वास्थ्य विभाग ब्रांच, हिसार का चुनाव बीएंडआर रैस्ट हाउस में चुनाव पर्यवेक्षक राज्य कोषाध्यक्ष भगवान अहलावत और राज्य कार्यालय सचिव राजकुमार सैन की देखरेख में हुआ। चुनाव सर्वसम्मति से करवाए गए जिसमें लीलाराम ब्रांच चेयरमैन, सतीश प्रधान, सलीम सचिव व सुरेश पुनिया कोषाध्यक्ष चुने गए।

उत्कृष्ट कार्य करने पर सिरसा साक्षी महिला सहकारी विपणन समिति को मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज़ ►► सिरसा

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम द्वारा हरियाणा एवं पंजाब राज्यों की उत्कृष्ट कार्य करने वाली सहकारी समितियों तथा किसान उत्पादक संगठनों को एनसीडीसी क्षेत्रीय सहकारी उत्कृष्टता एवं योग्यता पुरस्कार-2025 प्रदान किए गए। दोनों राज्यों से कुल सात सहकारी समितियों एवं एफपीओ की विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। सिरसा से दी सिरसा साक्षी महिला सहकारी विपणन समिति को सम्मानित किया गया, जिसके तहत उन्हें 35 हजार रुपए का चेक व स्मृति चिह्न दिया गया। समिति की अध्यक्ष विमला सिंवर ने बताया कि इन सोसायटी के अंतर्गत इफको, कृभको, हेफेड, नेफेड, बीबीएसएसएल, एनसीईएल सहकार टैक्सो सहित अनेक संस्थाएं मेंबर बनकर काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महिला सहकारी विपणन समितियों से सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण और आय सृजन के लिए किए जा रहे प्रयास जैसे कि नंदिनी सहकार जैसी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता, बोर्डों में महिलाओं के लिए आरक्षण और सरकारी योजनाओं एवं महिलाओं के ठेकों में भागीदारी बढ़ाना शामिल है,



बलिदान दिवस पर पंचकुंडीय यज्ञ का आयोजन

- समरवीर गोकुला जाट का किसान-प्रतिरोध के शुरुआती उदाहरणों में गिना जाता है

हरिभूमि न्यूज़ ►► हांसी

जाट धर्मशाला में धर्मरक्षक समरवीर गोकुला जाट का बलिदान दिवस पर प्रधान रणधीर सिंह दलाल की अध्यक्षता में पंचकुंडीय यज्ञ का आयोजन किया गया। इसमें हांसी के एसडीएम राजेश खोथ मुख्य अतिथि रहे जबकि तहसीलदार अनिल बिदान विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम मंच संचालन परबत लोहान ने किया। मुख्य वक्ता प्रोफेसर योगेन्द्र मलिक ने बताया कि गोकुला जाट (वीर गोकुला सिंह) 17वीं शताब्दी के एक प्रमुख किसान-नेता और वीर योद्धा थे। वे वर्तमान तिलपत (फरीदाबाद, हरियाणा) क्षेत्र के निवासी थे। उन्होंने मुगल सम्राट



हांसी। यज्ञ में आहुति डालते मुख्य वक्ता प्रो. योगेन्द्र मलिक व अन्य।

औरंगजेब की दमनकारी नीतियों के विरुद्ध संगठित प्रतिरोध किया। वक्ताओं ने कहा कि मुगल शासन द्वारा अत्यधिक कर जर्जिया, धार्मिक हस्तक्षेप और स्थानीय उल्पीड़न के विरोध में 1669 में गोकुला जाट के नेतृत्व में हिंदुओं का विद्रोह भड़का।गोकुला ने हजारों किसानों (अहीर-गुर्जर सहयोगियों सहित) को संगठित कर मथुरा-सादाबाद क्षेत्र में मुगल प्रशासन को चुनौती दी और युद्ध लड़ा। वक्ताओं ने कहा कि गोकुला जाट का विद्रोह उत्तर भारत में संगठित किसान-प्रतिरोध के शुरुआती उदाहरणों में गिना जाता है। उनके संघर्ष ने आगे चलकर जाट शक्ति के उभार की राह बनाई, जिसका

ये रहे उपस्थित

बलिदान दिवस कार्यक्रम में एडलकेट सुभाष दांडा, राजकुमार बामल, देव लोहान, राकेश संधू, जयसिंह पाली, हेमन्त सोनी, सुरेन्द्र सिंह, ईश्वर शास्त्री, सत्यदेव शास्त्री, वैद्य रामनिवास, राजेन्द्र सोरखी, दशरथ मलिक, रणबीर बैरवाल, सतबीर चौहान, सुभाष सिंधु, कर्मवीर शास्त्री, सुभाष गुजादपुर, कपूर सिंह पुनिया, यशंत लोहान, वैतव्य लोहान, सोमबीर मान सहित समाज के अनेक लोग उपस्थित थे।

प्रभाव 18वीं शताब्दी में भरतपुर राज्य जैसे केन्द्रों में दिखा। दाऊ बलदेव में हुई छत्तीस बिरादरी की पंचायत ने समर्थ गुरु रामदास की उपस्थिति में गोकुल जाट को नेतृत्व दिया। इधर गोकुल जाट का बलिदान हुआ और उधर कृष्ण जी का मंदिर ध्वस्त कर दिया गया।

स्वयंसेवकों ने रैली निकालकर दिया नशा मुक्ति का संदेश

बरवाला। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुलेरी में एनएसएस शिविर के दौरान आज नशा मुक्त भारत अभियान के तहत स्वयंसेवकों ने जागरूकता रैली निकालकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। मुख्य अतिथि सब-इंस्पेक्टर हवा सिंह और एसआई कमल जीत तथा एसआई सुमन ने रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। स्वयंसेवकों ने हाथों में स्लोगन लिखी पट्टियां लेकर पूरे गांव में ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक किया।

इस दौरान प्रवक्ता राजवीर कौर और सज्जू ने भी युवाओं को इस अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। प्रोग्राम अधिकारी राजकुमार ने बताया कि नए साल के पहले दिन विद्यार्थियों ने रैली के माध्यम से समाज को बुराईयों से दूर रहने का संदेश दिया है। पुलिस टीम ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को नशा मुक्त जीवन जीने की शपथ भी दिलाई।

चिन्हित स्थानों पर ही पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को करवा सकेंगे भोजन आवारा कुत्तों के लिए हर वार्ड में बनेगा निर्धारित फीडिंग प्वाइंट



हिसार। बैठक में उपस्थित अतिरिक्त निगमायुक्त डॉ. प्रदीप हुड्डा व अन्य।

कि स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, रेलवे स्टेशन और अस्पताल परिसरों से आवारा कुत्तों को हटाकर उन्हें शेल्टर होम में सुरक्षित रखने की दिशा में कार्य शुरू कर दिए हैं। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी की गई गाइडलाइनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिए सभी विभाग अपने-अपने स्तर पर टीमों का गठन करें, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेशों में चिन्हित क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने और उन्हें निर्धारित शेल्टर होम में भेजने का कार्य करेंगे।

विभागों से आपसी समन्वय से कार्य करने की अपील

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार प्रत्येक वार्ड में आवारा कुत्तों के लिए एक निर्धारित फीडिंग प्वाइंट बनाने का निर्णय लिया गया। इन चिन्हित स्थानों पर ही पशु प्रेमी आवारा कुत्तों को भोजन करा सकेंगे। इससे कुत्तों का जमावड़ा संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में नहीं होगा और शहर में संतुलन बना रहेगा। डॉ. प्रदीप हुड्डा ने सभी विभागों से आपसी समन्वय, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने की अपील की।

यह रहे उपस्थित

बैठक में ईओ हांसी राजेन्द्र सोनी, वेटनरी सर्जन डॉ. अमित शर्मा, कार्यकारी अभियंता जितन खुराना, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, सचिव उकलाना संदीप, सचिव बरवाला प्रमति, टीएम रोडवेज प्रीतम सिवाव, रेलवे विभाग से एसएसआई अविनाश कुमार, डीएसपी हांसी सिद्धार्थ बिश्नोई, डीएसपी हिसार कमलजीत, आदि अधिकारी शामिल रहे।

विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026-27 में शुरू करेगा नए रोजगारपरक कोर्स

बीएससी नर्सिंग व पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग कोर्स शुरू करने वाला गुजवि पहला विवि बना

डोन टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बौद्धिकता, भारतीय ज्ञान परंपरा, मेटल हेल्थ एंड ह्यूमन वैल-बींग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करेगा विश्वविद्यालय

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय निरंतर नए आयामों को छू रहा है। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग और बेहतर हो रही हैं। विश्वविद्यालय द्वारा नए रोजगारपरक कोर्स शुरू किए जा रहे हैं। पैरामेडिकल कोर्सों में बीएससी नर्सिंग तथा पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग कोर्स शुरू करने वाला गुजवि हरियाणा प्रदेश का पहला शैक्षणिक विश्वविद्यालय बन गया है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2026-27 में भी नए रोजगारपरक कोर्स आरंभ करने की योजना बना रहा है। विश्वविद्यालय आधुनिक मॉडल के आधार पर उद्योगों की मांग पर आधारित कोर्सों के साथ-साथ डोन टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बौद्धिकता, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा मेटल हेल्थ एंड ह्यूमन वैल-बींग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस



हिसार। पत्रकारों से बातचीत करते कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई।

फोटो : हरिभूमि

भी स्थापित करेगा। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने नववर्ष के उपलक्ष्य पर पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि गुजवि भविष्य में शिक्षा शोध नवाचार व सामाजिक दायित्वों को पूरा करने में न केवल भारत में बल्कि विश्व में अपनी पहचान को और अधिक मजबूत करेगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. विजय कुमार, डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. योगेश चाबा, तकनीकी सलाहकार प्रशासनिक प्रो. विनोद छोकर, तकनीकी

सलाहकार एचआरएम प्रो. संदीप राणा, डीन ऑफ कॉलेजिज प्रो. संजीव कुमार, डायरेक्टर पब्लिक आउटरीच एंड रिलेशंस प्रो. दलबीर सिंह व उपनिदेशक जनसम्पर्क डा. बिजेन्द्र दहिया उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने कहा कि विश्वविद्यालय ने गत दो शैक्षणिक सत्रों में 25 से अधिक स्नातक (अंडरग्रेजुएट) और स्नातकोत्तर (पोस्टग्रेजुएट) पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 21 ओडीएल तथा 40 ऑनलाइन कोर्स भी शुरू किए गए हैं। विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या गत दो

शैक्षणिक सत्रों में 5500 से बढ़कर 13 हजार हो गई है। इनमें 850 शोधार्थी हैं। विश्वविद्यालय की शोध तथा शैक्षणिक उत्कृष्टता को देखते हुए प्रतिष्ठित फंडिंग एजेंसियों द्वारा रिसर्च प्रोजेक्ट्स दिए जा रहे हैं। गुजवि को राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) के तहत 10 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट मिले हैं तथा एएनआरएफ पेयर स्कीम के तहत भी 10.00 करोड़ अनुदान प्राप्त हुआ है। ग्लोबल इनिशिएटिव ऑफ एकेडमिक नेटवर्क्स (ज्ञान) कार्यक्रम के तहत विश्वविद्यालय ने भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय को 25 प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए हैं।

अप्रेंटिसशिप इन इम्बेडिड कोर्स शुरू होंगे

आधुनिक मॉडल के आधार पर उद्योगों की मांग पर आधारित कोर्सों के साथ-साथ डोन टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बौद्धिकता, भारतीय ज्ञान परम्परा तथा मेटल हेल्थ एंड ह्यूमन वैल-बींग में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस भी स्थापित करने के साथ-साथ विश्वविद्यालय आगामी सत्र से अप्रेंटिसशिप इन इम्बेडिड (डिप्लोमा एंड डिग्री) शुरू कर रहा है। ये कोर्स उद्योगों के सहयोग से संचालित किया जाएगा। विश्वविद्यालय द्वारा बीएससी क्लिनिकल साइकोलॉजी, बीएससी मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नीशियन कोर्स के अतिरिक्त डिप्लोमा इन जेनरेशन, आदि कोर्स भी शुरू किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय की बेस्ट प्रेक्टिसिस

विश्वविद्यालय परिसर सकारात्मक एवं गौरवपूर्ण ऊर्जा से परिपूर्ण है। विश्वविद्यालय में शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों के लिए लगातार स्वास्थ्य जांच शिविर लगाए जाते हैं। उच्च स्तरीय स्वच्छता मापदंडों को अपनाया जाता है। विद्यार्थियों को समुचित न्यूट्रिशन युक्त भोजन दिया जाता है। विश्वविद्यालय का परिसर एक्सीमिया फ्री परिसर बनाया जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर स्वच्छ तथा हरित है। विश्वविद्यालय के दुर्लभ व विशेष गुणों वाले पौधों की जियो-टैगिंग भी होगी। विश्वविद्यालय में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन है तथा परिसर कचरा मुक्त है।

रैंकिंग और शोध की उपलब्धियाँ

गुजविप्रवि ने एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में राज्य सार्वजनिक विश्वविद्यालय श्रेणी में 32वां स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय स्तर पर 101-150 रैंक बैंड में जगह बनाई। विश्वविद्यालय ने इस रैंकिंग में सतत विकास लक्ष्यों श्रेणी में 11-50 रैंक बैंड में पहली बार अपना स्थान बनाया। इसके अतिरिक्त एनआईआरएफ 2025 रैंकिंग में फार्मसी श्रेणी में 49वां स्थान प्राप्त किया। इस रैंकिंग में प्रबंधन श्रेणी में 101-125 रैंक बैंड में, विश्वविद्यालय श्रेणी में 101-150 रैंक बैंड, ओवरऑल श्रेणी में 151-200 रैंक बैंड तथा इंजीनियरिंग श्रेणी में 201-300 रैंक बैंड हासिल किया है।



आदमपुर। नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह में हलकावासियों से मुलाकात करके विधायक चंद्रप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

विधायक ने नव वर्ष पर कार्यकर्ताओं से की मुलाकात विधायक ने विकास कार्यों के प्रति जताई प्रतिबद्धता

सड़क, सीवर व पेयजल आपूर्ति लाइन का कार्य जल्द पूरा करवाने की सरकार से की जाएगी मांग : चंद्रप्रकाश

हरिभूमि न्यूज़ ►► आदमपुर

विधायक चंद्रप्रकाश ने नव वर्ष के अवसर पर आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में स्नेह मिलन समारोह आयोजित करके हलकावासियों व कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं देते हुए विकास कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता भी जताई। चंद्रप्रकाश ने सभी के लिए सुख, शांति, समृद्धि व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने कहा कि नव वर्ष में नई चेतना जगाते हुए और नए संकल्प के साथ जनता से मिलकर कार्य किए जाएंगे। मिलन समारोह के दौरान लोगों ने आदमपुर से संबंधित समस्याओं को

मूलभूत सुविधाओं की सख्त दरकार

आदमपुर में मूलभूत सुविधाओं की सख्त दरकार है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 31 दिसंबर तक सड़क, सीवर व पेयजल आपूर्ति लाइन का कार्य पूरा करवाने का आश्वासन दिया था लेकिन सभी कार्य अथर में लटके हैं। उन्होंने कहा कि वे सरकार को स्पष्ट कर चुके हैं कि आदमपुरवासी जर्जर सड़कों व लचर सीवर व्यवस्था से परेशान हैं और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति की नितांत आवश्यकता है। इन विकास कार्यों को हर हाल में पूरा करवाकर जनता को राहत प्रदान की जाए।

भी विधायक चंद्रप्रकाश ने समझ रखा। विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि आदमपुर के विकास के लिए वे पूरी शिद्दत से प्रयत्नशील हैं।



हिसार। समापन समारोह में उपस्थित स्कूल स्टाफ व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गांव तलवंडी रुक्का में

एनएसएस शिविर का समापन

हिसार। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय तलवंडी रुक्का में 24 दिसंबर से आयोजित सात दिवसीय एनएसएस शिविर का समापन हो गया है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि कैप का शुभारंभ विद्यालय की प्राचार्या रेणु श्योरण ने किया एवं छात्रों को स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। सात दिवसीय शिविर में बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से जीवन रूपी रण-क्षेत्र में चुनौतियों का सामना कैसे करें, यह सिखाया गया। सात दिवसीय शिविर में मुख्य रूप से सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, एड्स, वर्तमानकालीन सामाजिक मुद्दे, स्वदेशी का महत्व, प्राथमिक चिकित्सा, साइबर क्राइम, स्वावलंबी भारत आदि पर चर्चा की गई। इस मौके पर दामोदर सिंह, राजेश सहारण, कुलदीप, कृष्ण, कुलबीर, सुनील, सुरेश आदि उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम विकास में निभाते हैं अहम भूमिका

■ श्री काली देवी विद्या मंदिर में क्षमता निर्माण पर प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ ►► हांसी

श्री काली देवी विद्या मंदिर में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य विषय पर द्विदिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को नवीन शिक्षण विधियों, पाठ्यक्रम की गहन समझ



हांसी। प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते श्री काली देवी विद्या मंदिर के शिक्षकों के साथ रिसोर्स पर्सन कनिका एवं अनीता फोटो : हरिभूमि

तथा विद्यार्थियों में भाषा कौशल विकसित करने की प्रभावी रणनीतियों से अवगत कराना था।

से प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने अंग्रेजी भाषा शिक्षण में संवादात्मक तकनीकों, साहित्य के प्रभावी अध्यापन, मूल्यांकन पद्धतियों तथा कक्षा शिक्षण को रोचक एवं विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। शिक्षकों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायी बताया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय प्राचार्या गीता मेहता ने रिसोर्स पर्सन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अंडरपास की मांग को लेकर 15 तक का अल्टीमेटम



उकलाना। अधिकारी को ज्ञापन देते स्थानीय लोग फोटो : हरिभूमि

■ काम रोको आंदोलन व अनिश्चितकालीन धरना होगा शुरू : महेश बंसल

हरिभूमि न्यूज़ ►► उकलाना

सिरसा—चंडीगढ़ मार्ग पर निर्माणधीन रेलवे ओवरब्रिज पर नियमों के अनुसार प्रस्तावित रेलवे अंडरपास को अधिकारियों द्वारा निरस्त किए जाने की सूचना मिलने

के बाद स्थानीय लोगों में भारी रोष व्याप्त है। पिछले काफी समय से प्रशासन की ओर से अंडरपास बनाए जाने का आश्वासन दिया जा रहा था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई न होने से जनता का सब्र जवाब दे गया।

इसी को लेकर सैकड़ों स्थानीय लोगों ने नायब तहसीलदार के माध्यम से रेल मंत्री, मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि पूर्व

ये रहे मौजूद

इस मौके पर राजकुमार, वीरू राम, सुरेश कुमार, प्रवीण शर्मा, कृष्ण कबाडी, जिले सिंह, महेंद्र दहमनिया, महेंद्र सिंह सहित 100 से अधिक लोग मौजूद रहे।

में प्रस्तावित रेलवे अंडरपास का निर्माण अविलंब किया जाए, अन्यथा 15 जनवरी के बाद ओवरब्रिज से संबंधित किसी भी प्रकार का कार्य नहीं होने दिया जाएगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस अवसर पर सर्वे व्यापार मंडल के अध्यक्ष महेश बंसल ने कहा कि यह जनहित से जुड़ा मामला है। यदि 15 जनवरी तक अंडरपास निर्माण को लेकर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया, तो मजबूरन अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा और निर्माण कार्य पूरी तरह रोक दिया जाएगा।

बाबा बंदा बहादुर स्कूल में क्लास रूम मैनेजमेंट प्रशिक्षण शिविर आयोजित



हांसी। क्लास रूम मैनेजमेंट को लेकर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल के शिक्षकों के साथ ट्रैनर वंदना व सुमन कुमारी फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज़ ►► हांसी

बाबा बंदा बहादुर पब्लिक स्कूल में सीबीएसई की तरफ से क्लासरूम मैनेजमेंट विषय (आर्मी पब्लिक स्कूल हिसार, कैन्ट) से रिसोर्स

पर्सन के रूप में उपस्थित रही। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षण प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाना और कक्षा में छात्रों के व्यवहार व अनुशासन को सकारात्मक तरीके से प्रभावित करना था।

शिक्षा विशेषज्ञों ने आधुनिक तरीके में तकनीक के उपयोग और छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कक्षा संचालन के

विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर नई शिक्षण तकनीकों को सीखा। विद्यालय की प्रधानाचार्या लवली चावला ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि कक्षा प्रबंधन केवल अनुशासन बनाये रखने के बारे में नहीं है, बल्कि एक ऐसा वातावरण तैयार करने के बारे में है जहां हर बच्चा सुरक्षित और सीखने के लिए प्रेरित महसूस करें।

फ़ेशर्स पार्टी

महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में फ़ेशर्स पार्टी का रंगारंग आयोजन

नर्सिंग केवल पेशा नहीं, बल्कि सेवा व संवेदना का पवित्र माध्यम

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

महाराजा अग्रसेन कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ़ेशर्स पार्टी का भव्य, गरिमामय एवं सांस्कृतिक रंगों से सजा आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद जनरल डीपी वत्स द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। शुभारंभ के साथ ही पूरा परिसर उत्साह, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा से भर उठा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय निदेशक डॉ. अलका छाबड़ा एवं निदेशक (पैरामेडिकल) डॉ. आशुतोष शर्मा

की गरिमामयी उपस्थिति रही। मंचासीन अतिथियों का पारंपरिक स्वागत एवं सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि जनरल वत्स ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, संवेदना और समर्पण का पवित्र माध्यम है।

उन्होंने विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और मानवता को अपने जीवन का मूल मंत्र बनाने का आह्वान किया तथा कहा कि नर्सिंग विद्यार्थी समाज और राष्ट्र की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पैरामेडिकल निदेशक डॉ. आशुतोष शर्मा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दीं।



हिसार। कार्यक्रम प्रस्तुत करते मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि



हिसार। नव प्रवेशित विद्यार्थियों को सम्मानित करते मेडिकल कॉलेज के अधिकारी।

रैम्प वॉक एवं टैलेंट सर्च रहा मुख्य आकर्षण

■ विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास स और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रैम्प वॉक एवं टैलेंट सर्च रहा, जिसमें विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास और रचनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत भाग्येश वंदना, हरियाणवी, राजस्थानी, बॉलीवुड, गिद्धा, भांगड़ा तथा शिव नृत्य ने कार्यक्रम में सांस्कृतिक विविधता और आध्यात्मिक भाव का सुंदर समावेश किया। रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और तालियों की गूंज से पूरा सभागार भर उठा।

कार्यक्रम के अंत में आयोजित प्रतियोगिताओं के आधार पर "मिस्टर-मिस् फ़ेशर" का चयन किया गया, जिसे मंच से सम्मानित किया गया। इस दौरान गीता वत्स, डॉ. करणदीप, नर्सिंग प्राचार्या डॉ. प्रेमिला पांडे, डॉ. रोज, डॉ. शालू, डॉ. पूनम शर्मा, अनुप्रभा, ज्योति, ललिता, दीक्षा, रंजीत, आशा, इशिता, शिक्षा, प्रियंका, सीमा, अमिताभ, पूनम सहित महाविद्यालय की फैकल्टी, कर्मचारी व विद्यार्थी मौजूद रहे।

गीला व सूखा कचरा अलग-2 करें



नगर निगम ने कचरा समाहण के लिए डोर-टू-डोर व्यवस्था की गई है। शहरवासियों से अपील है कि अपने घर, दुकान व प्रतिष्ठान

गीला कचरा, सूखा कचरा और हानिकारक कचरा अलग-अलग करें और नगर निगम की गाड़ियों में अलग-अलग ही डालें।

- प्रवीण पोपली, मेयर।

6 टन गीला कचरा अलग हो रहा प्राप्त



नगरियों के द्वारा कचरा संग्रीभोशन कई क्षेत्रों में बहुत अच्छे ढंग से किया जा रहा है। जिससे लगातार 6 टन गीला कचरा अलग से प्राप्त हो रहा है। नागरिकों से अनुरोध है कि अपने घर, दुकान, प्रतिष्ठान के कचरे का पृथक्करण करें ताकि कचरे का कोई भी भाग वेष्ट न जाए। कचरा डस्टबिन में ही डालें पॉलिथिन में न डालें।

- नीरज, निगमायुक्त।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 7988727916, 9315429403, 9253681005